



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 21]
No. 21]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 17, 1983/पौष 27, 1904
NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 17, 1983/PAUSA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

श्रम मंत्रालय

(श्रम विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1983

सांकांनि० 30(अ):—औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) केन्द्रीय नियम, 1946 का और संशोधन करने के लिए कुछ प्राव्य नियम औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946 (1946 का 20) की धारा 15 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक सांकांनि० 1165 तारीख 10 दिसम्बर, 1981 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) तारीख 26 दिसम्बर, 1981 के पृष्ठ 2787-2791 पर प्रकाशित किए गए थे जिनमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से वैतानिक दिन की अवधि की समाप्ति की या उससे पहले उन सभी व्यक्तियों से इ और और मुद्राग माने गए थे, जिनके उत्तसे प्रभावित होने की संभावना थी।

और उक्त राजपत्र 26 दिसम्बर, 1981 की जनता की उपलब्ध करा दिया गया था;

और उक्त प्राव्य का बचत जनता से प्राप्त आक्षेप और सुझावों पर समुक्त रूप से विचार कर लिया गया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की पूर्वोक्त धारा की उपधारा (2) के खंड (क) और (ख) के साथ पठित धारा 15 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, औद्योगिक नियोजन

(स्थायी आदेश) केन्द्रीय नियम, 1946 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) (संशोधन) नियम, 1983 है।

(2) औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) केन्द्रीय नियम, 1946 में,—

(i) नियम 2क और उसके नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न लिखित नियम और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“2क अधिनियम की अनुसूची में, मव 10 के पश्चात् निम्नलिखित अनिवार्य बातें अतः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“10क—कायदा आनों में सभी औद्योगिक स्थापनों से संबंधित स्थायी आदेशों में उपर्युक्त की जाने वाली अनिवार्य बातें—

- (1) दुर्घटना की दृष्टि में चिकित्साय सहायता
- (2) रेल यात्रा सुविधाएं—
- (3) रिक्तियों भरने की पद्धति;
- (4) स्थानान्तरण—
- (5) स्थापन या खान के प्रबंधक का दायित्व,
- (6) सेवा का प्रमाणपत्र;
- (7) स्थायी आदेशों का प्रदर्शन और प्रदाय,

“10ख सभी औद्योगिक स्थापनों से संबंधित स्थायी आदेशों में उपर्युक्त की जाने वाली अनिवार्य बातें :—

- (1) सेवा अभिव्यक्ति, सेवा कार्ड, टाकन टिकट, सेवा का प्रमाणपत्र कर्मकार के आवाधिकार पत्र में परिवर्तन और भाग के अभिलेख से संबंधित बातें।

- (2) पुष्टिकरण
- (3) सेवानिवृत्ति की प्राप्ति
- (4) स्थानांतरण
- (5) दुर्घटना की दशा में विधिविस्तृत सहायता
- (6) चिकित्सीय परीक्षा
- (7) गोपनीयता
- (8) अनन्य सेवा।”;

(ii) अनुसूची 1-क के पञ्चाश अनुसूची 1 ख के रूप में निम्नलिखित अनुसूची अंगस्थापित की जाएगी :—

“अनुसूची 1-ख

सभी उद्योगों को लागू होने वाली अभिविस्तृत मर्दान पर मानक स्थायी आदेश

(1) सेवा अभिलेख सेवा काई, टोकन टिकट, सेवा का प्रमाणपत्र, कर्मचारों के आवासिक पते में परिवर्तन और आयु के अभिलेख से संबंधित बातें।

(i) सेवा अभिलेखः प्रत्येक औद्योगिक स्थापन इन आदेशों से संलग्न प्रारूप में प्रत्येक कर्मकार की बावत एक सेवा काई रखेगा, जिसमें उस कर्मकार की विविधियाँ, उस कर्मकार की जानकारी में अभिलिखित की जाएगी और इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा तारीख सहित सम्पूर्ण रूप से अनु-प्रमाणित की जाएगी।

(ii) सेवा का प्रमाणपत्र (क) प्रत्येक कर्मकार सेवानिवृत्ति सेवा समाप्ति सेवानिवृत्ति या सेवा से त्याग पत्र के समय, सेवा प्रमाणपत्र पाने का हकदार होगी, जिसमें कार्य की प्रवृत्ति (पदनाम) और नियोजन की अवधि (दिन, मास वर्ष उपस्थित करने हुए) निदिष्ट किया जाएगा।

(ख) अनुसूची 1 के पैरा 16 और अनुसूची 1 क के पैरा 20 में की विद्यमान प्रविष्टियों का संघ किया जाएगा।

(iii) कर्मकार का आवासिक पताः—कर्मकार, काम पर लगने पर अपने आवासिक पते का विवरण नियोजक को तुरन्त अधिसूचित करेगा और उसके पश्चात् अपने आवासिक पते में किसी परिवर्तन के विषय में अपने नियोजक को तत्परता से सूचित करेगा। यदि कर्मकार ने अपने आवासिक पते में परिवर्तन को सूचना अपने नियोजक को नहीं दी है तो कोई संयुक्त भोजन के लिए उसके प्रतिम जात पते को ही नियोजक द्वारा, उसका आवासिक पता माना जाएगा।

(iv) आयु का अभिलेखः—(क) प्रत्येक कर्मकार, स्थापन की सेवा में प्रवेश करते समय अपने नियोजक को या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी को अपने जन्म की ठीक तारीख उपदर्शित करेगा। नियोजक या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी इसके पहले कि कर्मकार के जन्म की तारीख उसके सेवा के अभिलेख में प्रविष्ट की जाए उससे निम्नलिखित देने की अपेक्षा कर सकेगा—

(i) उसका मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या बैसे ही शैक्षिक प्राधिकरण द्वारा किया गया, विद्यालय छोड़ने का प्रमाणपत्र या

(ii) नगरपालिका, स्थानीय प्राधिकारी या पंचायत या जन्म-रजिस्ट्रार के रजिस्ट्रारों में अभिलिखित जन्म की तारीख की एक प्रमाणित प्रति।

(iii) पूर्वोक्त दो प्रयोगों के प्रमाणपत्रों में से किसी के अभाव में; नियोजक या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी कर्मकार से अपेक्षा कर सकेगा कि वह किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से जा सहायक सर्जन की पंक्ति से नौके का नही कर्मकार की अधिसंवाधय आयु उपदर्शित करने वाला एक प्रमाणपत्र दे परन्तु यह तब जब कि ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त करने की लागत नियोजक वहन करता है, या

(iv) जहाँ किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से प्रमाणपत्र अभि-प्राप्त करना शोध्य नहीं है वहाँ कर्मकार द्वारा दी गई जन्म की तारीख के समर्थन में साक्ष्य के रूप में प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट या शपथ दायक के समक्ष उनके द्वारा या उसके माता-पिता या किसी निकट संबंधी द्वारा जो कर्मकार की

वास्तविक भी संलग्न जन्म की तारीख जानने की स्थिति में है शपथ लेकर एक शपथपत्र।

(ख) कर्मकार की जन्म की तारीख जो स्थापन के सेवा काई में एक बार प्रविष्ट हो चुकी है, उसकी सेवा से संबंधित सभी बातों में जिसके अन्तर्गत स्थापन की सेवा से उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख को नियत करना है, आयु का एकमात्र साक्ष्य होगी। जन्म की तारीख से संबंधित सभी औद्योगिक कर्मकार की निवृत्ति के तीन मास के भीतर पूरी कर ली जाएगी।

(ग) वे मामले जिनमें किसी कर्मकार की जन्म का तारीख का विनिश्चय उस तारीख से पहले ही कर लिया गया है जिसको ये नियम प्रवृत्त होते हैं, इन उपबंधों के अधीन पुनः नहीं छोड़े जाएंगे।

टिप्पणः—जहाँ सही जन्म की तारीख उपलब्ध नहीं है और केवल जन्म का वर्ष ही स्थापित किया जाता है वहाँ उन वर्ष की पूर्वी जुलाई को जन्म की तारीख के रूप में माना जाएगा।

(2) पुष्टिकरण

नियोजक नियुक्तिपत्र में अनुबद्ध विवरणों और शर्तों के अनुसार पत्र कर्मकार की पुष्टि करेगा और उसकी पुष्टिकरण पत्र जारी करेगा। जब किसी निरी कर्मकार की पुष्टि की जाती है तो पुष्टिकरण की बावत प्रविष्टि ऐसे पुष्टिकरण की तारीख से तीन दिन की अवधि के भीतर उसके सेवा काई में भी की जाएगी।

(3) सेवानिवृत्ति की प्राप्ति

किसी कर्मकार की सेवानिवृत्ति या प्रविष्टि की प्राप्ति ऐसी आयु होगी जो नियोजक और कर्मकार के बीच किसी प्रकार द्वारा करार पार्षी जाए अथवा ऐसे समझौते या पंचाट में विनिश्चित की जाए जो नियोजक और कर्मकार दोनों पर बाध्यकर है। जहाँ ऐसी कोई करार पार्षी गई आयु नहीं है वहाँ सेवानिवृत्ति या अधिवृत्ति, कर्मकार द्वारा 60 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर होगी।

(4) स्थानांतरण

कार्य की अत्यावश्यकताओं के अनुसार किसी कर्मकार को उते नियोजक के अधीन एक दुकान या विभाग से दूसरे को या एक स्थान से दूसरे को या एक स्थापन से दूसरे को स्थानांतरित किया जा सकेगा।

परन्तु यह तब जब कि ऐसे स्थानांतरण से कर्मकार को मजदूरी, श्रेणी, सेवा की निरंतरता और सेवा की अन्य शर्तों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

परन्तु यदि किसी कर्मकार का एक कार्य से ऐसे दूसरे कार्य को स्थानांतरण किया जाता है जिसकी करने की वह क्षमता रखता है और यह कि जहाँ स्थानांतरण के कारण एक राज्य से दूसरे में जाना हो वहाँ स्थानांतरण कर्मकार की महमती से ही किया जाएगा अथवा जहाँ नियुक्तिपत्र में इस आशय का विशेष उपबंध हो, परन्तु यह और भी कि (i) ऐसे स्थानांतरण की युक्तियुक्त सूचना दी जाती है और (ii) एक स्थान से दूसरे स्थान की स्थानांतरण की दशा में युक्तियुक्त कार्य ग्रहण की अवधि अनुज्ञान की जाती है। संबंधित कर्मकार की सहायता का संवाय किया जाएगा जिसके अन्तर्गत परिवहन प्रभार, और आनुवंशिक प्रभारों को भुगतान के लिए उसका 50 प्रतिशत भी है।

(5) दुर्घटना की दशा में चिकित्सा सहायता

जहाँ कोई कर्मकार, नियोजन के दौरान या नियोजन से अर्भुत दुर्घटना से घत हो जाता है कि वहाँ नियोजक, अपने खर्च पर, शीत-प्रसू कर्मकार का तुरन्त और आवश्यक चिकित्सा सहायता देने के लिए सस्वीयजनक प्रबंध करेगा और यदि उसका उच्चार करने वाला चिकित्सक आवश्यक समझता है तो उसके आगे उपचार का भी प्रबंध करेगा। यदि कर्मकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 या कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 के अधीन उपचार और प्रसुविधाओं का हकदार है तो नियोजक तदनुसार उपचार और प्रतिकर का प्रबंध करेगा।

(6) चिकित्सीय परीक्षा

जहाँ भर्ती नियमों में किसी कर्मकार की पहली नियुक्ति के समय चिकित्सीय परीक्षा निर्दिष्ट की जाती है, वहाँ नियोजक, अपने खर्चे पर, किसी राजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यक्तियों द्वारा चिकित्सीय परीक्षा के लिए प्रबंध करेगा।

(7) गोपनीयता

कोई भी कर्मकार, अपने ठीक ऊपर के वरिष्ठ अधिकारी की लिखित अनुशा के बिना, कोई कागज-पत्र, पुस्तकें, रेखांक, फोटोग्राफ, उपकरण, मापक, वस्तुएँ या औद्योगिक स्थापन की कोई अन्य संपत्ति कार्य परिसर से बाहर नहीं ले जाएगा और न ही नियोजक की लिखित अनुशा के बिना स्थापन की निर्माण प्रक्रिया से संबंधित कोई जानकारी या बात, स्थापन की गुप्त माने और गोपनीय दस्तावेजों किसी अप्रतिष्ठित व्यक्ति, कंपनी या निगम को किसी प्रकार देना या देने देना अथवा प्रकट करेगा या प्रकट करने देगा।

(8) अनुसूची

कोई भी कर्मकार उस औद्योगिक स्थापन के हिस्से के विरुद्ध जिसमें वह नियोजित है, कभी भी कोई कार्य नहीं करेगा और स्थापन में अपने कार्य के अतिरिक्त कहीं ऐसे नियोजन में नहीं लगेगा जिनसे उसके नियोजक के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

(iii) अनुसूची 1 में प्रारूप IV के पश्चात् निम्नलिखित प्रारूप जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“प्रारूप V

(स्थायी आदेश 1, अनुसूची 1-ख देखिए)

सेवा कार्ड

स्थापन/कारखाने का नाम

टिप/टोकन सं०

1. रजिस्टर क्रम सं०
2. नाम
3. नमूने के हस्ताक्षर/प्रभू के चिह्न
4. पिता या पति का नाम
5. विंग
6. वर्ग
7. जन्म की तारीख
8. जन्म स्थान
9. कार्य ग्रहण की तारीख
10. कार्य ग्रहण करते समय चिकित्सा प्रमाणपत्र
11. शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
12. क्या पढ़ सकता है?
13. क्या लिख सकते हैं?
14. क्या बोल सकता है?
15. संवाई
16. पहचान चिह्न
17. कर्मकार का प्रयोग
18. विभाग
19. परिवार के सदस्यों के व्योरे
20. स्थायी पता
21. स्थानीय पता
22. स्थाईर नाम
23. जीवन बीमा पॉलिसी सं०
24. भविष्य विधि खाता सं०
25. उपदान के लिए सामग्री निर्देशिका
26. पेनम के लिए नाम निर्देशिका, यदि कोई हो
27. कर्मकारी राज्य बीमा सं०

28. फौज से प्रतिक्रिया पाठ्यक्रमों में उपरिगत रहे (व्योरे)

29. (उप्युक्त कार्यों के लिए पालता)

30. उत्तीर्ण किए गए प्रकीर्ण परीक्षण

31. नियोजन इतिहास

विभाग	टोकन सं०	परिचय नमूना	कार्य ग्रहण करने की तारीख	छोड़ने का कारण
1	2	3	4	5

32. अनुपस्थिति अवधि

मे कारण निरंतर नियोजन के लिए उपयुक्तता से संबंधित चिकित्सीय रिपोर्ट

(i) बीमारी छुट्टी

(ii) उपस्थित छुट्टी

(iii) कोई अन्य छुट्टी

33. प्रसूति प्रसूति

34. कर्मकार प्रमाण

कुर्छेदनाओं के व्योरे

35. अनुशासनात्मक कार्यवाई के व्योरे

36. प्रमाण

(i) व्योरे

(ii) पचाट

(iii) प्रमाणपत्र का दिनांक

37. निविदा की तारीख

38. कोई अन्य बात

टिप्पण :—मूल अधिसूचना, अधिसूचना सं० एल आर 15(37) ता० 18 दिसम्बर, 1946 द्वारा प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात् उसमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए .

- (i) सांकांनि० सं० 108 तारीख 31-1-1951
- (ii) सांकांनि० सं० 556 तारीख 24-2-1956
- (iii) सांकांनि० सं० 557 तारीख 30-4-1959
- (iv) सांकांनि० सं० 655 तारीख 3-6-1960
- (v) सांकांनि० सं० 1166 तारीख 28-6-1963
- (vi) सांकांनि० सं० 1123 तारीख 18-7-1967
- (vii) सांकांनि० सं० 1573 तारीख 10-10-1967
- (viii) सांकांनि० सं० 1732 तारीख 12-5-1971
- (ix) सांकांनि० सं० 821 तारीख 30-6-1975

[फा० सं० एन 12017/1/80-ई आई ए]

एच०के० नारायणन, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th January, 1983

G.S.R. 30(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946, were published as required by sub-section (1) of Sec

tion 15 of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 (20 of 1946), at pages 2787–2791 of the Gazette of India, in Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 26th December, 1981, under the notification of the Ministry of Labour No. GSR 1165 dated the 10th December, 1981, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby on or before the expiry of a period of forty five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 26th December, 1981;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been duly considered;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 15 read with clauses (a) and (b) of sub-section (2) of the aforesaid section of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946, namely :

1. These rules may be called the Industrial Employment (Standing Orders) Central (Amendment) Rules, 1983.

2. In the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946 :—

(i) for rule 2A and the entries thereunder, the following rule and entries shall be substituted, namely :—

2A. In the Schedule to the Act, after item 10, the following additional matters shall be inserted, namely :—

“10A. Additional matters to be provided in Standing Orders relating to all industrial establishments in coal mines :—

- (1) Medical aid in case of accident;
- (2) Railway travel facilities;
- (3) Method of filling vacancies;
- (4) Transfers;
- (5) Liability of manager of the establishment of mine;
- (6) Service certificate;
- (7) Exhibition and supply of Standing Orders.

“10B. Additional matters to be provided in the Standing Orders relating to all industrial establishments,—

- (1) Service Record—matters relating to service card, token tickets, certification of service, change of residential address of workers and record of age;
- (2) Confirmation;
- (3) Age of retirement;
- (4) Transfer;
- (5) Medical aid in case of accidents;
- (6) Medical examination;
- (7) Secrecy;
- (8) Exclusive Service.”

(ii) after Schedule 1A, the following Schedule shall be inserted as Scheduled 1B, namely :—

“SCHEDULE 1B

Model Standing Orders on additional items applicable to all industries.

(1) SERVICE RECORD

Matters relating to service card, token tickets, certification of service, change of residential address of workers and record of age.

(i) Service Card.—Every industrial establishment shall maintain a service card in respect of each workman in the form appended to these orders, wherein particulars of that workman shall be recorded with the knowledge of that workman and duly attested by an officer authorised in this behalf together with date.

(ii) Certification of service.—(a) Every workman shall be entitled to a service certificate, specifying the nature of work (designation) and the period of employment (indicating the days, months, years), at the time of discharge, termination, retirement or resignation from service;

(b) The existing entries in para 16 of Schedule I and para 20 of Schedule IA shall be omitted.

(iii) Residential address of workman.—A workman shall notify the employer immediately on engagement the details of his residential address and thereafter promptly communicate to his employer and change of his residential address. In case the workman has not communicated to his employer the change in his residential address, his last known address shall be treated by the employer as his residential address for sending any communication.

(iv) Record of age.—(a) Every workman shall indicate his exact date of birth to the employer or the officer authorised by him in this behalf, at the time of entering service of the establishment. The employer or the officer authorised by him in this behalf may before the date of birth of a workman is entered in his service card, require him to supply:—

(i) his matriculation or school leaving certificate granted by the Board of Secondary Education or similar educational authority; or

(ii) a certified copy of his date of birth as recorded in the registers of a municipality, local authority or Panchayat or Registrar of Births;

(iii) in the absence of either of the aforesaid two categories of certificates, the employer or the officer authorised by him in this behalf may require the workman to supply, a certificate from a Government Medical Officer not below the rank of an Assistant Surgeon, indicating the probable age of the workman provided the cost of obtaining such certificate is borne by the employer;

(iv) where it is not practicable to obtain a certificate from a Government Medical Officer, an affidavit sworn, either by the workman or his parents, or by a near relative, who is in a position to know about the workman's actual or approximate date or birth, before a First Class Magistrate or Oath Commissioner, as evidence in support of the date of birth given by him.

(b) The date of birth of a workman, once entered in the service card of the establishment shall be the sole evidence of his age in relation to all matters pertaining to his service including fixation of the date of his retirement from the service of the establishment. All formalities regarding recording date of birth shall be finalised within three months of the appointment of a workman.

(c) Cases where date of birth of any workman had already been decided on the date these rules come into force shall not be reopened under these provisions.

NOTE:—Whereas exact date of birth is not available and the year of birth is only established then the 1st July of the said year shall be taken as the date of birth.

(2) CONFIRMATION

The employer shall in accordance with the terms and conditions stipulated in the letter of appointment, confirm the eligible workman and issue a letter of confirmation to him. Whenever a workman is confirmed, an entry with regard to the confirmation shall also be made in his service card within a period of thirty days from the date of such confirmation.

(3) AGE OF RETIREMENT

The age of retirement or superannuation of a workman shall be as may be agreed upon between the employer and the workman under an agreement or as specified in a settlement or award which is binding on both the workman and the employer. Where there is no such agreed age, retirement or superannuation shall be on completion of 60 years of age by the workman.

(4) TRANSFER

A workman may be transferred according to exigencies of work from one shop or department to another or from one station to another or from one establishment to another under the same employer.

Provided that the wages, grade, continuity of service and other conditions of service of the workman are not adversely affected by such transfer.

Provided further that a workman is transferred from one job to another, which he is capable of doing, and provided also that where the transfer involves moving from one State to another such transfer shall take place, either with the consent of the workman or where there is a specific provision to that effect in the letter of appointment, and provided also that (i) reasonable notice is given to such workman, and (ii) reasonable joining time is allowed in case of transfers from one station to another. The workman concerned shall be paid travelling allowance including the transport charges, and fifty per cent thereof to meet incidental charges.

(5) MEDICAL AID IN CASE OF ACCIDENTS

Wherever the recruitment rules specify medical examination or arising out of his employment, the employer shall, at the employer's expense, make satisfactory arrangements for immediate and necessary medical aid to the injured workman and shall arrange for his further treatment, if considered necessary by the doctor attending on him. Wherever the workman is entitled for treatment and benefits under the Employees' State Insurance Act, 1948 or the Workmen's Compensation Act, 1923, the employer shall arrange for the treatment and compensation.

(6) MEDICAL EXAMINATION

Wherever the recruitment rules specify medical examination of a workman on his first appointment, the employer shall, at the employers expense, make arrangements for the medical examination by a registered medical practitioner.

(7) SECRECY

No workman shall take any papers, books, drawings, photographs, instruments, apparatus, documents or any other property of an industrial establishment out of the work premises except with the written permission of his immediate superior, nor shall he in any way pass or cause to be passed or disclose or cause to be disclosed any information or matter concerning the manufacturing process, trade secrets and confidential documents of the establishment to any unauthorised person, company or corporation without the written permission of the employer.

(8) EXCLUSIVE SERVICE

A workman shall not at any time work against the interest of the industrial establishment in which he is employed and shall not take any employment in addition to his job in the establishment, which may adversely affect the interest of his employer."

(iii) In Schedule II, after Form IV the following Form shall be added namely :—

"FORM V

(see Standing Order 1, Schedule I-B)

SERVICE CARD

Name of Estt./Factory/
Ticket/Token No.

1. Register Serial No.
2. Name
3. Speciman Signature/
Thumb Impression.
4. Father's or Husband's
name
5. Sex
6. Religion
7. Date of Birth
8. Place of Birth
9. Date of Joining
10. Details of Medical certificate at the
time of joining
11. Educational and other
qualifications
12. Can Read

13. Can Write
14. Can Speak
15. Height
16. Identification Marks
17. Category of Workman
18. Department
19. Details of family members
20. Permanent Address
21. Local Address
22. Quarter No.
23. Life Insurance Policy No.
24. Provident Fund Account No.
25. Nominee for Gratuity
26. Nominee for pension, if any.
27. Employees State Insurance No.
28. Training courses attended (details)
29. (Eligibility for higher jobs)
30. Proficiency tests passed.
31. Employment History

31. Employment History

Department	Token No.	Designation	Scale of Pay	Joined	Left Reason
1.	2.	3.	4.	5.	6.

32. ABSENCE PERIODS

From	To	Reason	Medical reports regarding suitability for continued employment.
------	----	--------	--

- (i) Sick Leave
- (ii) Earned Leave
- (iii) Any other leave.
33. Maternity Benefit
34. Workmen's Compensation

Details of accidents :

35. Details of Disciplinary Action
36. Promotions
 - (i) Details
 - (ii) Awards
 - (iii) Issue of Certificate of commendation
37. Date of superannuation
38. Any other matter."

Note : Principal Notification published, vide Notification No. LR11(37) dt. the 18th December, 1946 and subsequently amended by :

- (i) GSR No. 208 dated 31-1-1954
- (ii) GSR No. 556 dated 24-2-1956
- (iii) GSR No. 557 dated 30-4-1959
- (iv) GSR No. 655 dated 3-6-1960
- (v) GSR No. 1166 dated 28-6-1963
- (vi) GSR No. 1123 dated 18-7-1967
- (vii) GSR No. 1573 dated 10-10-1967
- (viii) GSR No. 1732 dated 12-5-1971
- (ix) GSR No. 824 dated 30-6-1975

[F. No. S-12012/1/80-DIA]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

